व्यक्तिगत ज्योतिष रिपोर्ट

विवाह स्व-रिपोर्ट

Priya Sharma के लिए तैयार

Priya Sharma

14 Mar 1996 · 07:20 · Pune, Maharashtra

संदर्भ SAMPLE

यह ज्योतिष चिंतन और मार्गदर्शन के लिए है, किसी परिणाम की गारंटी नहीं। यह चिकित्सा, कानूनी या वित्तीय सलाह नहीं है।

एक व्यक्तिगत पत्र

आपकी कुंडली के आधार पर AI की मदद से लिखा गया

प्रिय Priya, आपकी कुंडली विवाह के लिए एक अच्छी नींव दिखाती है: 100 में से 68 अंक। यह परफ़ेक्ट अंक नहीं है, और इसकी ज़रूरत भी नहीं। इसका मतलब है कि सहयोग सच्चा है, और कुछ बातों में थोड़ी सावधानी बहुत काम आती है।

आपकी रिपोर्ट का सबसे साफ़ हिस्सा समय है। आपका अगला विवाह-योग जनवरी से मार्च 2027 के बीच खुलता है, और 2027 से 2028 के वर्षों पर दो अलग-अलग पद्धतियाँ सहमत हैं। आपकी कुंडली के अनुसार विवाह की सबसे अधिक संभावना 31 से 32 वर्ष की आयु के बीच है। देरी के कुछ संकेत हैं, पर देरी इनकार नहीं है; अच्छे समय आगे हैं।

आपकी कुंडली जिस व्यक्ति के बारे में बताती है, वह व्यावहारिक, समर्पित और मददगार है: ऐसा व्यक्ति जो साथ निभाकर प्यार जताता है। अरेंज्ड रिश्ते की संभावना अधिक है, हालाँकि किसी विदेशी संपर्क से या ऑनलाइन मिलने की भी गुंजाइश है।

आप मांगलिक हैं। लगभग हर तीसरा व्यक्ति होता है, और इसे अकेले नहीं, आपके साथी की कुंडली के साथ देखा जाता है। दोष वाला अध्याय बताता है कि इसका क्या अर्थ है और किन नियमों से यह अक्सर रद्द हो जाता है।

इसे पढ़ने के बाद अगर आप एक काम करें, तो समय वाला अध्याय पढ़ें और आगे के विवाह-योग नोट कर लें। उपाय भी दिए गए हैं, परंपरा के रूप में; जो आपको ठीक लगे, वही अपनाएँ।

विषय-सूची

1 आपके सवालों के जवाब, एक नज़र में

2 आपकी कुंडली

3 मेरी शादी कब होगी?

4 क्या मेरी शादी में देरी होगी?

5 क्या मैं विवाह के लिए तैयार हूँ?

6 मेरा जीवनसाथी कैसा होगा?

7 हम कैसे मिलेंगे — लव या अरेंज्ड?

8 क्या मैं मांगलिक हूँ? मेरी कुंडली में कौन से दोष और योग हैं?

9 मेरा प्यार करने का तरीका कैसा है?

10 मैं असहमति कैसे संभालती/संभालता हूँ?

11 क्या मेरा विवाह स्थिर रहेगा?

12 क्या मेरे विवाह में भरोसा एक मुद्दा बनेगा?

13 मेरा भावनात्मक स्वास्थ्य कैसा है?

14 संतान के बारे में मेरी कुंडली क्या कहती है?

15 विवाह के बाद करियर और पैसा कैसे चलेगा?

16 मेरे लिए कौन से ग्रह सबसे मज़बूत हैं?

17 मैं क्या कर सकती/सकता हूँ?

18 यह रिपोर्ट कैसे बनी

19 इस रिपोर्ट के शब्द

20 अंतरंगता निजी

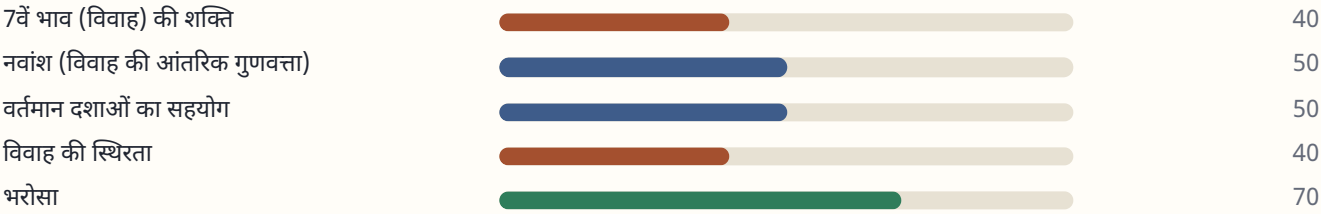
आपके सवालों के जवाब, एक नज़र में

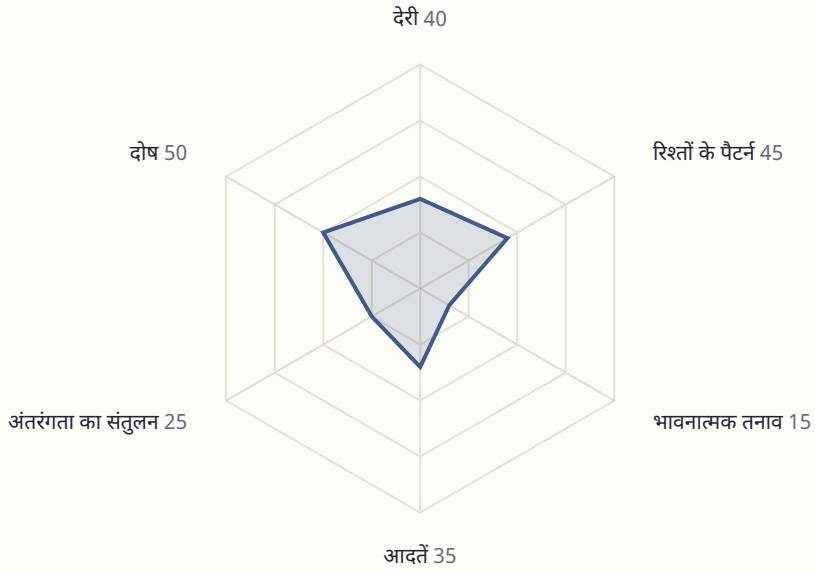
लोग जो सवाल पूछते हैं, आपकी कुंडली से उनके जवाब



विवाह की संभावना

अच्छी संभावना, कुछ बातों में उपायों से सुधार हो सकता है।





ऐप जैसा आपका व्यक्तिगत जोखिम रडार: हर क्षेत्र 100 में से; बाहर की ओर अधिक देखभाल चाहिए।

सुखी विवाह की मेरी संभावना कितनी अच्छी है?

अच्छी: 100 में से 68। थोड़ी सी सावधानी बहुत काम आती है।

मेरी शादी कब होने की संभावना है?

सबसे संभावित आयु 31 से 32 वर्ष। अगली अच्छी अवधि जनवरी 2027 से मार्च 2027 तक है।

मेरा जीवनसाथी कैसा होगा?

उनके लिए सही शब्द: व्यावहारिक, समर्पित, मददगार।

लव मैरिज या अरेंज्ड मैरिज?

अरेंज्ड मैरिज की संभावना अधिक है।

क्या मैं मांगलिक हूँ?

हाँ, आपको मांगलिक दोष है (मंगल की एक स्थिति जिसे परिवार अक्सर देखते हैं)। परिवार अक्सर इसके उपाय के बारे में पूछते हैं।

क्या मेरी शादी में देरी होगी?

देरी के 2 संकेत हैं। चिंता से ज़्यादा सही समय मायने रखता है।

मैं अपने जीवनसाथी से कैसे मिलूँगी/मिलूँगा?

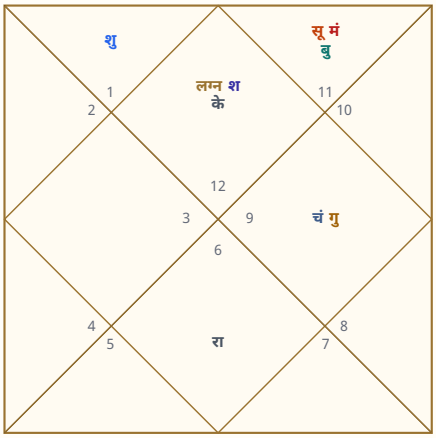
सबसे अधिक संभावना किसी विदेशी संपर्क से या ऑनलाइन।

मुझे क्या करना चाहिए?

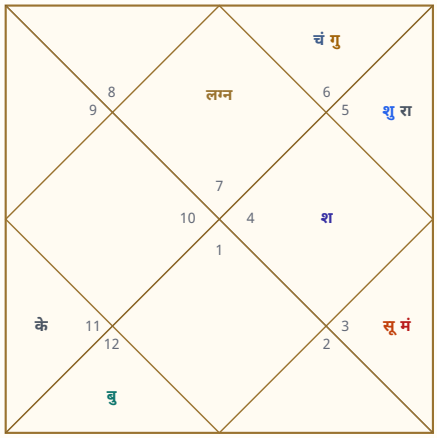
उपाय वाले अध्याय के 3 कदमों में से पहले से शुरू करें। वे सबसे उपयोगी से शुरू करके दिए गए हैं।

आपकी कुंडली

आपकी जन्म कुंडली और नवांश, जैसे वे जन्म के क्षण में थे



जन्म कुंडली (D1, लग्न)



नवांश (D9) — विवाह

नाम	Priya Sharma
जन्म	14 मार्च 1996, 07:20
स्थान	पुणे, महाराष्ट्र
लग्न	मीन
चंद्र राशि	धनु
नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा, चरण 2
चल रही दशा	मंगल - गुरु

ग्रहों की स्थिति

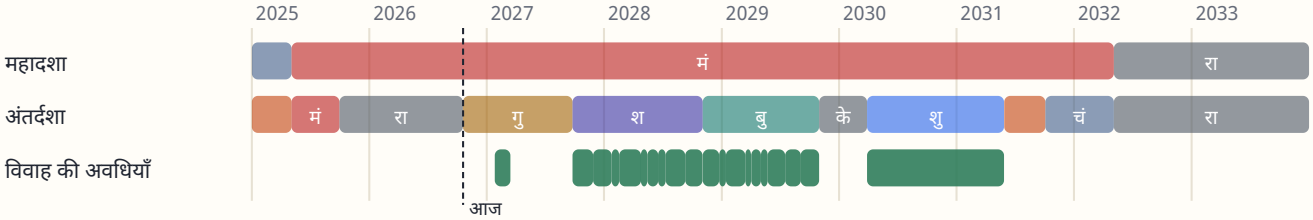
ग्रह	राशि	भाव	अंश	नक्षत्र	टिप्पणी
सूर्य	कुंभ	12वाँ	30.0°	पूर्वभाद्रपद	शत्रु राशि
चंद्र	धनु	10वाँ	17.9°	पूर्वाषाढ़ा	
मंगल	कुंभ	12वाँ	27.9°	पूर्वभाद्रपद	अस्त
बुध	कुंभ	12वाँ	17.2°	शतभिषा	अस्त
गुरु	धनु	10वाँ	20.0°	पूर्वाषाढ़ा	स्वराशि
शुक्र	मेष	2रा	15.0°	भरणी	
शनि	मीन	1ला	3.2°	पूर्वभाद्रपद	अस्त
राहु	कन्या	7वाँ	24.8°	चित्रा	वक्री, मित्र राशि
केतु	मीन	1ला	24.8°	रेवती	वक्री

कुंडली में अंक राशियाँ हैं (1 मेष ... 12 मीन) और ऊपर का बीच वाला खाना आपका 1ला भाव है। नीचे का 7वाँ भाव विवाह का है।

मेरी शादी कब होगी?

आपकी दशाएँ, और विवाह का सहयोग करने वाली अवधियाँ

> **आपकी अगली विवाह अवधि 2027 - 2028 है, और आपकी कुंडली के अनुसार विवाह की सबसे अधिक संभावना 31 से 32 वर्ष की आयु के बीच है।**



हर पट्टी एक ग्रह दशा है। हरा रंग विवाह का सहयोग करने वाली अवधियाँ दिखाता है; टूटी रेखा आज का दिन है।

हर पद्धति क्या कहती है

- **विंशोत्तरी दशा**
  अगली अवधि जनवरी 2027 – मार्च 2027
- **जैमिनी चर दशा**
  मीन, कन्या और मेष की दशाओं में विवाह का सहयोग
- **गुरु का गोचर**
  गुरु का सहयोग अक्टूबर 2026 – जनवरी 2027
- **केपी**
  7वें भाव का उप-स्वामी चंद्रमा: विवाह जटिल

जहाँ पद्धतियाँ सहमत हैं

विंशोत्तरी और जैमिनी दोनों 2027–2028, 2028–2029 की ओर इशारा करती हैं। जब दो स्वतंत्र पद्धतियाँ सहमत हों, तो समय का अनुमान ज़्यादा भरोसेमंद होता है।

समय	ग्रह दशा	बल
जनवरी 2027 – मार्च 2027	मंगल-गुरु-बुध	25%
सितंबर 2027 – नवंबर 2027	मंगल-शनि-शनि	25%
नवंबर 2027 – जनवरी 2028	मंगल-शनि-बुध	35%
जनवरी 2028 – फरवरी 2028	मंगल-शनि-केतु	25%
फरवरी 2028 – अप्रैल 2028	मंगल-शनि-शुक्र	30%

समय	ग्रह दशा	बल
अप्रैल 2028 – मई 2028	मंगल-शनि-सूर्य	25%
मई 2028 – जून 2028	मंगल-शनि-चंद्र	25%
जून 2028 – जुलाई 2028	मंगल-शनि-मंगल	25%

पड़ाव, जैसे आपकी कुंडली उन्हें देखती है

जब आप मिलेंगे	2027 - 2028 के भीतर
आप निर्णय कब लेंगे	मुलाक़ात के 6-12 महीने बाद
विवाह	उसी वर्ष के अनुकूल महीने

विवाह-योग का समय वह अवधि है जब कुंडली विवाह का साथ देती है, यह कोई तारीख़ नहीं है। कुंडली समय-अवधि बताती है; जो कोई ठीक तारीख़ बताता है, वह अनुमान लगा रहा है।

गहराई से पढ़ें ऊपर की कुंडली से AI की मदद से लिखा गया

Priya, अभी आपकी मंगल महादशा में गुरु की अंतर्दशा चल रही है, जिसे आपकी कुंडली गति और आगे बढ़ने का समय मानती है। विवाह के लिए सबसे मज़बूत सहयोग 2027 और 2028 में आता है, जब मंगल दशा में बुध और शनि की उप-दशाएँ आपके परिवार के दूसरे भाव को सक्रिय करती हैं।

दो अलग-अलग पद्धतियाँ, विंशोत्तरी और जैमिनी, दोनों 2027 से 2028 पर सहमत हैं, इसलिए इन्हीं वर्षों को अपनी मुख्य अवधि मानें। आपकी कुंडली फ़रवरी-मार्च, जून-जुलाई और नवंबर-दिसंबर के महीनों को अनुकूल मानती है। इन महीनों में हुए परिचय सबसे ज़्यादा आगे बढ़ते हैं।

क्या मदद करता है

- परिचय और मुलाक़ातों के लिए हरी अवधियों का उपयोग करें; इसी समय प्रयास के फल देने की संभावना ज़्यादा होती है।
- अगर कोई रिश्ता अवधि के बाहर आए, तो वह असंभव नहीं है — अवधियाँ सहयोग दिखाती हैं, अनुमति नहीं।
- विवाह के दिन के लिए परिवार आम तौर पर अवधि के भीतर मुहूर्त चुनते हैं।

क्या मेरी शादी में देरी होगी?

आपकी कुंडली में कुछ देरी के 2 संकेत हैं। देरी आम है, और इसका अर्थ विवाह न होना नहीं है।

देरी के संकेत **2 मिले**



समय पर देर से

- 7वें भाव में राहु देरी या अलग तरह के रिश्ते ला सकता है
- 7वें भाव का स्वामी 12वें भाव (हानि) में विवाह में देरी कर सकता है

मुख्य कारण: 7वें भाव में राहु देरी या अलग तरह के रिश्ते ला सकता है

गहराई से पढ़ें ऊपर की कुंडली से AI की मदद से लिखा गया

दो स्थितियाँ बताती हैं कि बात थोड़ी देर से क्यों बन सकती है: राहु आपके सातवें भाव में है और सातवें भाव का स्वामी बारहवें भाव में। राहु अक्सर अलग तरह का रिश्ता या थोड़ा घुमावदार रास्ता लाता है, और बारहवाँ भाव दूरी जोड़ता है।

इसका अर्थ विवाह न होना नहीं है। आम तौर पर इसका मतलब होता है कि सही व्यक्ति आपकी अपेक्षा से बड़े दायरे से आता है, अक्सर किसी दूसरी जगह या पृष्ठभूमि से। आपकी अगली अवधि, 2027 से 2028, पास ही है, इसलिए बात इंतज़ार से ज़्यादा इस पर है कि आप कहाँ देखती हैं।

क्या मदद करता है

- उपायों से 7वें भाव को मज़बूत करें
- यदि लागू हो तो शनि शांति करें
- विवाह के देवताओं की नियमित पूजा
- अपनी अवधियों में लोगों से मिलने का दायरा बढ़ाएँ; देरी अक्सर माहौल बदलने से ख़त्म होती है।

क्या मैं विवाह के लिए तैयार हूँ?

आपकी कुंडली से दस जाँचें, ऐप की तरह भारित

> **तैयारी: 80%, पूरी तरह तैयार। 10 में से 8 जाँचें पास होती हैं।**



तैयारी

जाँच	आपकी कुंडली	परिणाम
विवाह क्षमता 50 से ऊपर	68 / 100	पास
7वें भाव की शक्ति 50 से ऊपर	40 / 100	अभी नहीं
नवांश गुणवत्ता 50 से ऊपर	50 / 100	पास
सहयोगी दशा चल रही है	50 / 100	पास
विवाह की अवधि मिली है	2027 - 2028	पास
देरी का एक से अधिक संकेत नहीं	2 मिले	अभी नहीं
भावनात्मक स्वास्थ्य स्थिर है	मज़बूत	पास
आदतें चिंता का विषय नहीं हैं	मध्यम	पास
कोई गंभीर दोष नहीं	0 गंभीर	पास
विवाह की गुणवत्ता कम नहीं है	उच्च	पास

गहराई से पढ़ें ऊपर की कुंडली से AI की मदद से लिखा गया

Priya, दस में से आठ जाँचें पास होती हैं, जिससे आपकी तैयारी 80% है: पूरी तरह तैयार। आपकी विवाह क्षमता, नवांश, चल रही दशा, भावनात्मक स्वास्थ्य और आने वाली 2027 से 2028 की अवधि आपके पक्ष में हैं, और आपकी कुंडली में कोई गंभीर दोष नहीं है।

जो दो जाँचें अभी पास नहीं होतीं, उन्हें जानना उपयोगी है। आपका सातवाँ भाव 100 में से 40 है, क्योंकि उसका स्वामी बारहवें भाव में है, और कुंडली में देरी के दो संकेत हैं। इनमें से कोई भी विवाह नहीं रोकता; ये बताते हैं कि आपके लिए सोच-समझकर और बड़े दायरे से चुनना क्यों ज़रूरी है।

क्या मदद करता है

- इस पर काम करें: 7वें भाव की शक्ति 50 से ऊपर (40 / 100)। आगे के अध्याय इसे समझाते हैं।
- इस पर काम करें: देरी का एक से अधिक संकेत नहीं (2 मिले)। आगे के अध्याय इसे समझाते हैं।

मेरा जीवनसाथी कैसा होगा?

आपके 7वें भाव, नवांश, दाराकारक और उपपद से पढ़ा गया

व्यावहारिक और बारीकियों पर ध्यान देने वाले, राहु के प्रभाव के साथ।



उनके सबसे मज़बूत गुण, सबसे प्रबल पहले।

वे कौन हैं

मूल्य	परिवार, स्थिरता, प्रगति
बातचीत	स्पष्ट और दिलचस्प
भावनात्मक स्वभाव	भावुक कम, विचारशील अधिक
काम	टेक्नोलॉजी, इनोवेशन या विदेशी व्यापार
काम का तरीका	आधुनिक टेक्नोलॉजी या वैश्विक बाज़ार से जुड़ा अलग तरह का करियर।
महत्वाकांक्षा	मध्यम

वे कैसे दिखते हैं

क़द और बनावट	मध्यम, दुबला-पतला
रंग	गोरा
चेहरा	अंडाकार
विशेषताएँ	मनमोहक मुस्कान, युवा रूप, भावपूर्ण चेहरा, बुद्धिमान आँखें
पहनावा	आधुनिक और प्रोफेशनल
पहली छाप	आत्मविश्वासी और मिलनसार

हर पद्धति क्या कहती है

पद्धति	यह क्या दिखाती है
7वाँ भाव (पाराशरी)	कन्या राशि, जिसका स्वामी बुध है। राहु के प्रभाव के साथ व्यावहारिक और बारीकियों पर ध्यान देने वाले।
नवांश का 7वाँ भाव	मेष: मेष में 7वाँ भाव मंगल जैसे गुणों वाले साथी को दर्शाता है।
दाराकारक (जैमिनी)	मीन में शनि। जीवनसाथी आपकी पहचान पर गहरा प्रभाव डालता है; साथी बहुत स्वतंत्र स्वभाव का है।

पद्धति	यह क्या दिखाती है
उपपद लग्न (जैमिनी)	मेष में उपपद ऊर्जावान, कर्मठ पृष्ठभूमि के जीवनसाथी को दर्शाता है।

उन्हें आपकी ओर क्या खींचता है

आपके पति आपकी साहसी सोच और आशावाद की ओर आकर्षित होंगे। धनु में गुरु बताता है कि वे जीवनसाथी में खुले विचार और गहरी सोच को महत्व देते हैं। आपका लंबा, आकर्षक व्यक्तित्व उन्हें शारीरिक रूप से भाता है।

गहराई से पढ़ें ऊपर की कुंडली से AI की मदद से लिखा गया

आपका सातवाँ भाव कन्या राशि का है, जिसका स्वामी बुध है, इसलिए आपकी कुंडली ऐसे जीवनसाथी का वर्णन करती है जो व्यावहारिक, बारीकियों पर ध्यान देने वाला और बातचीत में तेज़ है। उसी भाव में राहु कुछ अलग जोड़ता है: आधुनिक या अंतरराष्ट्रीय सोच वाला साथी, शायद टेक्नोलॉजी या विदेश व्यापार से जुड़ा।

मीन राशि में शनि आपका दाराकारक है, जो गहराई और कर्तव्य की शांत भावना देता है; यह व्यक्ति प्रतिबद्धता को गंभीरता से लेता है और अपनी स्वतंत्रता भी बनाए रखता है। नवांश में सातवाँ भाव मेष का है, इसलिए उनका स्नेह शब्दों से ज़्यादा काम में दिखेगा।

क्या मदद करता है

- इसे स्वभाव पहचानने के वर्णन की तरह पढ़ें, लोगों को मापने की सूची की तरह नहीं।

हम कैसे मिलेंगे — लव या अरेंज्ड?

अरेंज्ड विवाह की संभावना है, हालाँकि आपकी अपनी पसंद का भी ध्यान रखा जाएगा।



सबसे अधिक संभावना	विदेश, आध्यात्मिक स्थान
यह भी संभव	ऑनलाइन/सोशल मीडिया, विदेश
दिशा	उत्तर, या दक्षिण
दूरी	विदेश/दूर का स्थान। जीवनसाथी के विदेश से होने का प्रबल संकेत।
परिस्थिति	अपरंपरागत या विदेशी
मुलाक़ात का माहौल	आश्चर्यजनक, रहस्यमय

इसके पीछे के योग

योग	आपकी कुंडली में
शुक्र-चंद्र संबंध	मौजूद नहीं
शुक्र-मंगल संबंध	मौजूद नहीं
शुक्र-राहु संबंध	मौजूद
5वें-7वें भाव का संबंध	मौजूद नहीं
1ले-7वें भाव का संबंध	मौजूद नहीं
5वें/7वें भाव पर राहु	मौजूद
5वें भाव में शुक्र	मौजूद नहीं
7वें भाव में चंद्रमा	मौजूद नहीं

गहराई से पढ़ें ऊपर की कुंडली से AI की मदद से लिखा गया

आपकी कुंडली अरेंज्ड परिचय की ओर झुकती है, जिसमें आपकी अपनी पसंद भी मायने रखेगी। मुलाक़ात किसी दूर की जगह, यात्रा या आध्यात्मिक माहौल से जुड़ी होने की संभावना है, आपके आस-पास के दायरे से नहीं।

शुक्र के साथ राहु और सातवें भाव पर राहु एक अप्रत्याशित पहलू जोड़ते हैं: परिचय किसी अनपेक्षित रास्ते से आ सकता है, जैसे विदेश में रहने वाले किसी पारिवारिक संपर्क से या यात्रा के दौरान। परिवार को साथ रखें और अपने सामान्य दायरे से बाहर के निमंत्रणों को हाँ कहें।

क्या मैं मांगलिक हूँ? मेरी कुंडली में कौन से दोष और योग हैं?

2 दोष सक्रिय हैं: मांगलिक दोष (कुज दोष), कालसर्प दोष। 3 शुभ योग इन्हें संतुलित करते हैं।



मांगलिक दोष (कुज दोष) — मध्यम

12वें भाव में मंगल तीव्र ऊर्जा देता है जो विवाह को प्रभावित करती है। इससे झगड़े, विवाह में देरी और जीवनसाथी से स्वभाव का टकराव हो सकता है।

काल सर्प दोष — मध्यम

7 में से 6 ग्रह राहु-केतु के बीच — आंशिक काल सर्प दोष। यह विवाह और जीवन की घटनाओं में कर्म से जुड़ी बाधाएँ, अचानक बदलाव और नियत पैटर्न लाता है।

लगभग हर तीसरा व्यक्ति मांगलिक होता है, और कई बार दूसरी ग्रह-स्थितियों से यह दोष रद्द हो जाता है: मंगल अपनी या उच्च राशि में हो, गुरु या शुक्र की दृष्टि हो, या जीवनसाथी भी मांगलिक हो। यह स्वभाव बताता है, भाग्य नहीं। मिलान में इसे आपके साथी की कुंडली के साथ मिलाकर देखा जाता है।

आपके विवाह का सहयोग करने वाले योग

योग	इसका अर्थ
गजकेसरी योग	10वें भाव में गुरु (चंद्र से 10वें भाव में युति) — विवाह और समग्र भाग्य के लिए सबसे शक्तिशाली शुभ योगों में से एक
हंस योग	धनु में गुरु (स्वराशि) 10वें भाव में — हंस योग (पंच महापुरुष योग), जो ज्ञान, आध्यात्मिकता और उत्तम वैवाहिक संभावनाएँ दर्शाता है
धर्म-कर्माधिपति योग	10वें भाव में स्वराशि का गुरु — विवाह को सहारा देने वाली धर्म की मज़बूत नींव

गहराई से पढ़ें ऊपर की कुंडली से AI की मदद से लिखा गया

बारहवें भाव में मंगल के कारण आपमें मध्यम मांगलिक दोष है, और आंशिक कालसर्प योग भी है क्योंकि सात में से छह ग्रह राहु और केतु के बीच हैं। सरल शब्दों में: तेज़ ऊर्जा जिसे सही दिशा चाहिए, और ऐसा जीवन जो एक जैसी गति से नहीं, चरणों में आगे बढ़ता है।

तीन शुभ योग इसे संतुलित करते हैं। गजकेसरी और हंस योग मज़बूत गुरु से बनते हैं, और धर्म-कर्माधिपति योग उद्देश्य और काम को जोड़ता है। बारहवें भाव का मंगल मांगलिक की हल्की स्थितियों में गिना जाता है, और मिलान में इसे साथी की कुंडली के साथ देखा जाता है।

क्या मदद करता है

- कुंभ विवाह (घड़े से विवाह) (पारंपरिक, वैकल्पिक)
- मंगल शांति पूजा (पारंपरिक, वैकल्पिक)
- त्र्यंबकेश्वर में कालसर्प दोष निवारण पूजा (पारंपरिक, वैकल्पिक)
- राहु-केतु शांति हवन (पारंपरिक, वैकल्पिक)

मेरा प्यार करने का तरीका कैसा है?

रिश्ते में आपका भावनात्मक स्वभाव

आपकी अपेक्षाएँ ऊँची हैं, और उन पर कम लोग खरे उतरते हैं।

लगाव	आप रिश्तों में आम तौर पर सुरक्षित महसूस करते हैं
प्रेम की भाषा	साथ बिताया अच्छा समय, फिर सराहना के शब्द
आपको सबसे ज़्यादा क्या चाहिए	आज़ादी और रोमांच
रोमांटिक अंदाज़	जोशीला और सहज
आप कैसे बात करते हैं	अलग सोच वाला और बौद्धिक
असहमति में	विवाद में संतुलित रवैया
आपको क्या चोट पहुँचाता है	बेईमानी, अपमान

भीतर का पैटर्न

आप आसानी से अपना दिल नहीं देते, और इसने आपकी रक्षा की है। शायद इसकी वजह से कुछ सही लोग भी छूट गए जो ग़लत समय पर आए। ध्यान देने वाली बात: सावधानी को समझदारी समझ लेना। शादी से पहले देखें कि आप उन्हें चुन रहे हैं — या आख़िरकार किसी को अपनी ज़िंदगी में आने दे रहे हैं। इसका कारण: मेष में शुक्र (प्रेम में तीव्र); पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में चंद्र (स्वभाव से रोमांटिक)।

अनदेखा पहलू	जीवनसाथी को लेकर ज़्यादा आदर्शवादी होना
आप कहाँ आगे बढ़ सकते हैं	आत्मविश्वास बढ़ाना और खुलकर सामने आना
ध्यान देने वाला पैटर्न	प्रेम में संतुलित रवैया
आपका सबसे गहरा डर	अधूरेपन का डर

गहराई से पढ़ें

ऊपर की कुंडली से AI की मदद से लिखा गया

प्रेम में आप सुरक्षित महसूस करती हैं, और साथ बिताया समय ही आपके लिए परवाह देने और पहचानने का तरीका है। साथ ही आपको स्वतंत्रता और नए अनुभव चाहिए, इसलिए सही साथी वह है जो नज़दीकी दे पर बंधन न बनाए। आप आसानी से दिल नहीं सौंपतीं, और इस सावधानी ने आपको बचाया भी है।

आपकी कुंडली जिस कमज़ोरी की ओर इशारा करती है वह आदर्शवाद है: किसी को अपनाने से पहले उससे एक तस्वीर जैसा होने की उम्मीद रखना। मेष में शुक्र आपको चुनने के बाद गहरे स्नेह वाला बनाता है। ध्यान दें कि आप किसी को चुन रही हैं, या ऐसी निश्चितता का इंतज़ार कर रही हैं जो कभी पूरी नहीं आती।

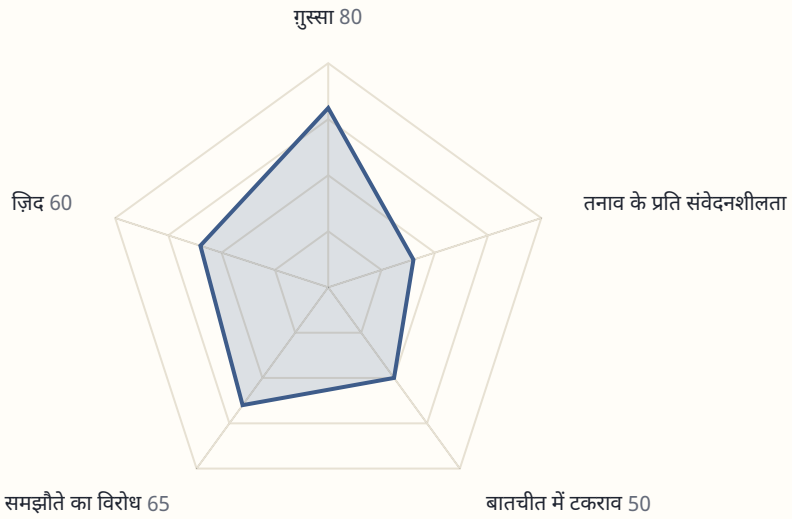
क्या मदद करता है

- आत्म-जागरूकता और सोच-समझकर रिश्तों के चुनाव का अभ्यास करें
- साथी को अपनी प्रेम भाषा जल्दी बताएँ; विवाह में ज़्यादातर चोट तब लगती है जब प्यार ऐसी भाषा में दिया जाता है जिसे दूसरा नहीं पढ़ पाता।

मैं असहमति कैसे संभालती/संभालता हूँ?

ग़ुस्सा, तनाव, बातचीत, समझौता और ज़िद

कुल तीव्रता 59 / 100: मध्यम। आपकी सबसे प्रबल प्रवृत्ति ग़ुस्सा है।



हर प्रवृत्ति 100 में से; बाहर की ओर अधिक प्रबल।

प्रवृत्ति	क्यों	क्या मदद करता है
ग़ुस्सा: 80	12वें भाव में मंगल: जल्दी ग़ुस्सा	कोई भी फ़ैसला लेने से पहले शांत हो जाएँ; धीमी साँस मदद करती है।
तनाव के प्रति संवेदनशीलता: 40	धनु में चंद्रमा: भावनात्मक रूप से मज़बूत	अच्छी सहनशक्ति; नियमित दिनचर्या इसे बनाए रखती है।
बातचीत में टकराव: 50	कुंभ में बुध	अपनी स्पष्टता से असहमतियाँ जल्दी सुलझाएँ।
समझौते का विरोध: 65	कूटनीति के लिए शुक्र को सहारा चाहिए; गुरु की स्थिति आपको अड़ियल बना सकती है	छोटी बातें जाने दें; सिर्फ़ उन्हें चुनें जो सच में मायने रखती हैं।
ज़िद: 60	स्थिर राशियों में 4 ग्रह	लचीले हैं; फिर भी जो ज़रूरी है उस पर डटे रहें।

गहराई से पढ़ें ऊपर की कुंडली से AI की मदद से लिखा गया

आपकी कुल असहमति की तीव्रता 100 में से 59 है, यानी मध्यम। सबसे प्रबल प्रवृत्ति ग़ुस्सा है, 80 पर: बारहवें भाव का मंगल नाराज़गी को भीतर रखता है जब तक वह अचानक बाहर न आ जाए। समझौते का विरोध 65 और ज़िद 60 पर इसमें जुड़ते हैं।

धनु का चंद्रमा आपको तनाव में भी मज़बूत रखता है, और यही आपका सबसे अच्छा साधन है। जो बात खटके उसे छोटी रहते ही कह दें, और ग़ुस्से में कोई भी फ़ैसला लेने से पहले रुकें। कौन सी असहमति सच में मायने रखती है, यह चुनना आपको बाक़ी कई से बचा लेगा।

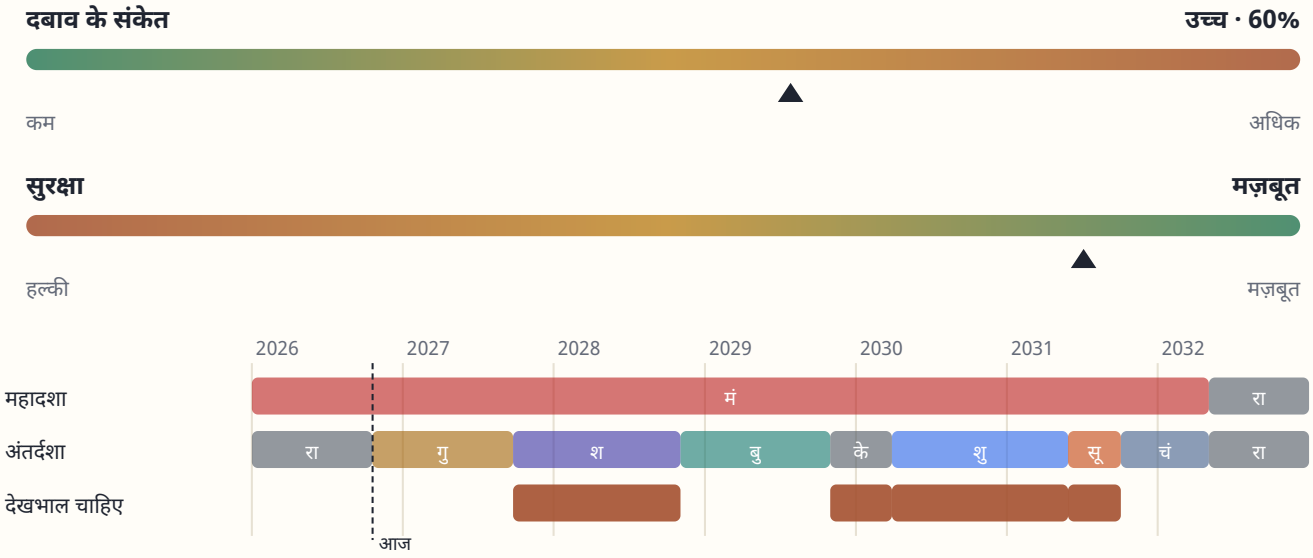
क्या मदद करता है

- कोई भी फ़ैसला लेने से पहले शांत हो जाएँ; धीमी साँस मदद करती है।
- छोटी बातें जाने दें; सिर्फ़ उन्हें चुनें जो सच में मायने रखती हैं।

क्या मेरा विवाह स्थिर रहेगा?

आपकी कुंडली में दबाव और सुरक्षा, और वे वर्ष जिन्हें देखभाल चाहिए

> **आपकी कुंडली में दबाव के संकेत: उच्च (60%)। सुरक्षा: मज़बूत। ये संभालने योग्य दबाव के बिंदु हैं, विवाह का परिणाम नहीं।**



लाल रंग उन अवधियों को दिखाता है जिनमें अतिरिक्त धैर्य चाहिए।

हर पद्धति क्या कहती है

- **पाराशरी (D1)**
  दबाव के 4 संकेत, ज़्यादातर 7वें भाव के आसपास
- **नवांश (D9)**
  विवाह की आंतरिक गुणवत्ता 50 / 100
- **केपी**
  7वें भाव का उप-स्वामी चंद्रमा: जटिल
- **जैमिनी (उपपद)**
  मेष में उपपद ऊर्जावान, कर्मठ पृष्ठभूमि के जीवनसाथी के साथ स्थिर विवाह दर्शाता है।

दबाव कहाँ से आता है

- 7वें भाव का स्वामी 6ठे, 8वें या 12वें भाव में: विवाह का कारक दुःस्थान भावों में होना टकराव, बाधा या हानि दर्शाता है
- 2रे भाव का स्वामी 12वें भाव में: पारिवारिक सामंजस्य प्रभावित
- 7वें भाव में राहु: विवाह पर अलगाव वाला प्रभाव
- 7वें भाव का स्वामी 12वें भाव में: साझेदारी पर हानि या "मारक" ऊर्जा की संभावना

आपके विवाह की रक्षा क्या करता है

- बलवान गुरु विवाह को नैतिक दिशा और धर्म की सुरक्षा देता है
- मज़बूत 2रा भाव परिवार की दीर्घायु का सहयोग करता है
- KP प्रतिष्ठा का सहारा: 7वें भाव का उप-स्वामी 10वें भाव (सामाजिक प्रतिष्ठा) से जुड़ता है, जो रिश्ते को निजी इच्छा के बजाय सामाजिक कर्तव्य में स्थिर रखता है
- गजकेसरी योग: गुरु-चंद्र का संबंध भावनात्मक स्थिरता, विवेक और मज़बूत आत्म-नियंत्रण देता है

अवधि	क्यों	क्या मदद करता है
सितंबर 2027 – नवंबर 2028	Priya Sharma की मंगल-शनि महादशा/अंतर्दशा।	शनि ठंडापन लाता है; सचेत होकर गर्मजोशी और धैर्य चुनें। मंगल आवेग जगाता है; किसी भी झगड़े को बढ़ाने से पहले 24 घंटे रुकें।
अक्टूबर 2029 – मार्च 2030	Priya Sharma की मंगल-केतु महादशा/अंतर्दशा।	मंगल आवेग जगाता है; किसी भी झगड़े को बढ़ाने से पहले 24 घंटे रुकें। केतु विरक्ति लाता है; साथ में अच्छा समय बिताने के नियमित अवसर तय करें।
मार्च 2030 – मई 2031	Priya Sharma की मंगल-शुक्र महादशा/अंतर्दशा।	मंगल आवेग जगाता है; किसी भी झगड़े को बढ़ाने से पहले 24 घंटे रुकें।
मई 2031 – अक्टूबर 2031	Priya Sharma की मंगल-सूर्य महादशा/अंतर्दशा।	मंगल आवेग जगाता है; किसी भी झगड़े को बढ़ाने से पहले 24 घंटे रुकें।

जीवनसाथी के स्वास्थ्य और दीर्घायु के संकेत: मध्यम। जीवनसाथी के स्वास्थ्य या दीर्घायु से जुड़ी कुछ मध्यम चुनौतियों के संकेत हैं; संतुलन ज़रूरी है।

गहराई से पढ़ें ऊपर की कुंडली से AI की मदद से लिखा गया

आपकी कुंडली में दबाव उच्च स्तर का है, ऐप के माप से 60%, ज़्यादातर सातवें भाव के आसपास: उसका स्वामी बारहवें भाव में है, राहु उसमें बैठा है, और दूसरे भाव का स्वामी भी बारहवें में है। ये दबाव के बिंदु हैं, जैसे दूरी, परिवार के साथ तालमेल और असामान्य परिस्थितियाँ, विवाह का परिणाम नहीं।

सुरक्षा मज़बूत और वास्तविक है। आपकी कुंडली में गुरु बलवान है और चंद्रमा के साथ गजकेसरी योग बनाता है, जो भावनात्मक स्थिरता देता है, और सातवें भाव का उप-स्वामी विवाह को कर्तव्य और प्रतिष्ठा से जोड़ता है। धैर्य माँगने वाले वर्ष 2027 के अंत से 2028 और 2029 के अंत से 2031 तक हैं, जब मंगल दशा में शनि, केतु, शुक्र और सूर्य की उप-दशाएँ चलती हैं।

क्या मदद करता है

- ऐसा साथी चुनें जिसकी कुंडली आपके 7वें भाव का सहयोग करे; कम्पैटिबिलिटी रिपोर्ट किसी विशेष व्यक्ति के लिए यह दिखाती है।
- लाल अवधियों में बड़े फ़ैसले धीमे करें और ज़्यादा बात करें, कम नहीं।
- पैसे, ससुराल और निजी जगह को कैसे संभालेंगे, यह पहले ही तय करें; ज़्यादातर दबाव यहीं से शुरू होता है।

क्या मेरे विवाह में भरोसा एक मुद्दा बनेगा?

भरोसा कहाँ परखा जाता है, और उसे क्या बनाए रखता है

> **भरोसे के संकेत: मध्यम (30%)। ज्योतिष उन परिस्थितियों को दिखा सकता है जो भरोसे को परखती हैं; यह नहीं बता सकता कि कोई व्यक्ति क्या चुनेगा।**

भरोसे को परखने वाली परिस्थितियाँ **मध्यम · 30%**



कम अधिक

हर पद्धति क्या कहती है

- **पाराशरी (D1)**
  आपकी कुंडली में 3 संकेत
- **KP कार्यस्थल संबंध**
  कार्यस्थल वाले भावों 2-6-10 के उप-स्वामी रोमांस या संबंध के भावों से ख़ास नहीं जुड़ते। केपी के अनुसार कार्यस्थल पर अफ़ेयर की संभावना कम है।
- **KP सुरक्षा**
  मुख्य भावों (7, 9, 10) के उप-स्वामी धर्म (9वाँ भाव) या प्रतिष्ठा (10वाँ भाव) से जुड़ते हैं। यह जल्दबाज़ी या अपरंपरागत कामों से मज़बूत सुरक्षा देता है। गहरा नैतिक आधार दिखता है।

सबसे ज़्यादा कहाँ परखा जा सकता है

परिस्थिति	आपकी कुंडली में	यह क्यों मायने रखता है
काम पर	हाँ	दबाव में सहकर्मियों से नज़दीकी बन सकती है।
यात्रा के दौरान	हाँ	घर से दूरी सामान्य सावधानी कम कर देती है।
निजी दायरों में	हाँ	दूसरों की नज़र से दूर बने रिश्ते।
घर के पास	नहीं	आस-पास के जाने-पहचाने लोग।

- 12वें भाव के ग्रह एक निजी/अलग दायरे का संकेत देते हैं जहाँ गुप्त रिश्ते बन सकते हैं।
- 5वें भाव का स्वामी 10वें भाव में (करियर में रोमांस) + केपी: 7वें भाव का उप-स्वामी 6/10 से जुड़ा
- 7वें भाव का स्वामी 9वें/12वें भाव में (यात्रा/विदेश से साथी)

जानने योग्य पैटर्न

पैटर्न	कितना तीव्र	क्या मदद करता है
कार्यस्थल पर जुड़ाव की संवेदनशीलता	गंभीर	पेशेवर सीमाएँ सख़्ती से रखें। विपरीत लिंग के सहकर्मियों के साथ निजी, अलग बातचीत के रास्तों से बचें।
यात्रा और विदेश में जुड़ाव की संवेदनशीलता	मध्यम	अकेले यात्रा करते समय साथी से बातचीत का साफ़ तरीका तय करें। विदेश में अकेले सामाजिक हालात से बचें।
छिपे/अकेले जुड़ाव का पैटर्न	मध्यम	ध्यान रखें कि निजता की ज़रूरत छिपाव न बन जाए।

भरोसे को क्या मज़बूत रखता है

- प्रबल गुरु: शक्तिशाली गुरु गहरा विवेक और स्वाभाविक नैतिक दिशा देता है जो छल को नकारती है।
- KP धर्म संरेखण: 7वें भाव का उप-स्वामी धर्म के 9वें भाव से जुड़ता है, जो दिखाता है कि रिश्तों में सच्चाई एक मूल मूल्य है।
- बलवान गुरु एक दार्शनिक/नैतिक आधार देता है, जो तीव्र भावनाओं को संतुलित करता है।
- शनि का प्रभाव प्रतिबद्धताओं में कर्तव्य की मज़बूत भावना और स्थायित्व लाता है।

गहराई से पढ़ें ऊपर की कुंडली से AI की मदद से लिखा गया

आपकी कुंडली में भरोसे के संकेत मध्यम स्तर पर हैं, ऐप के अनुसार 30%। जिन परिस्थितियों में भरोसा परखा जा सकता है वे हैं कार्यस्थल, दसवें भाव में पाँचवें भाव के स्वामी के कारण, और यात्रा, बारहवें भाव में सातवें भाव के स्वामी के कारण। बारहवें भाव के ग्रह आपके एक निजी पक्ष की ओर भी इशारा करते हैं।

भरोसे को मज़बूत रखने वाली बातें साफ़ हैं: बलवान गुरु जो छल को नकारता है, धर्म के नौवें भाव से जुड़ा सातवें भाव का उप-स्वामी, और शनि की कर्तव्य भावना। आपकी कुंडली में KP का 5-8-12 सूत्र सक्रिय नहीं है। काम और यात्रा के बारे में खुलापन ही वह आदत है जो आपको सबसे ज़्यादा सुरक्षित रखती है।

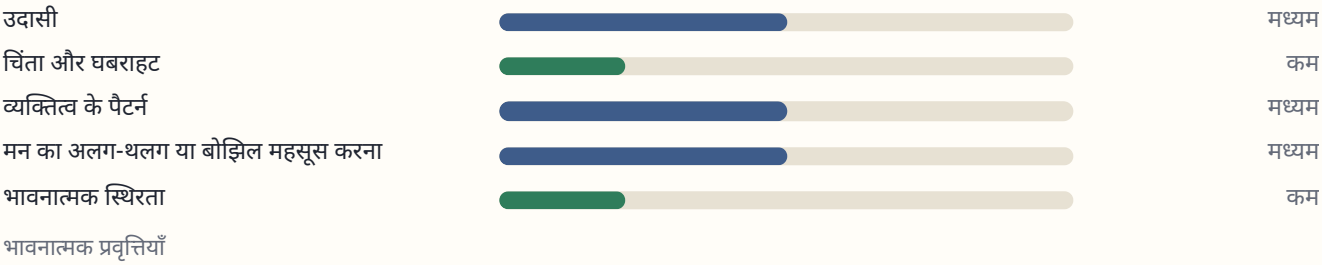
क्या मदद करता है

- "हाँ" वाली परिस्थितियों को खुला रखें: अपने काम और यात्रा के बारे में साथी से बात करें।
- छोटी चोटों को जल्दी कह दें; चुप्पी में दूरी बढ़ती है।

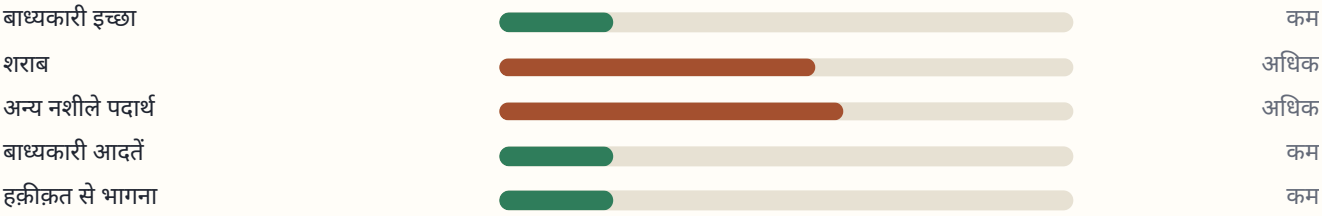
मेरा भावनात्मक स्वास्थ्य कैसा है?

जानने योग्य प्रवृत्तियाँ, और आपकी ताक़तें

> **मानसिक सेहत के कुल संकेत सकारात्मक हैं। भावनात्मक मज़बूती और मुश्किलों से निपटने की क्षमता अच्छी दिखती है।**



भावनात्मक प्रवृत्तियाँ



आदतें

आपकी भावनात्मक शक्तियाँ

मज़बूत गुरु: धनु में गुरु स्वाभाविक ज्ञान, नैतिक आधार और ऐसी सकारात्मक सोच देता है जो मानसिक चुनौतियों से बचाती है। केंद्र में चंद्र: 10वें भाव (केंद्र) में चंद्र भावनात्मक स्थिरता और प्रतिष्ठा देता है। भावनाएँ पहचान और दुनियादारी में घुली-मिली रहती हैं।

क्षेत्र	विश्लेषण
उदासी	1 संकेत उदासी की प्रवृत्ति की ओर इशारा करते हैं। मुख्य बातें: भावनाओं को दबाना, ख़ुद की आलोचना, और भावनाओं को समझने में कठिनाई।
चिंता और घबराहट	चिंता का कोई ख़ास संकेत नहीं। मन संतुलित ढंग से काम करता दिखता है।
व्यक्तित्व के पैटर्न	व्यक्तित्व के 1 पैटर्न दिखे। ये गहरे मनोवैज्ञानिक पहलू बताते हैं जो करीबी रिश्तों में व्यवहार को प्रभावित करते हैं।
मन का अलग-थलग या बोझिल महसूस करना	1 संकेत मन के अलग-थलग पड़ने या गहरे मनोवैज्ञानिक उलझाव की संभावना बताते हैं। इनके लिए भावनात्मक रूप से संभलकर, ज़मीन से जुड़े रहना ज़रूरी है।
भावनात्मक स्थिरता	भावनात्मक स्थिरता मज़बूत दिखती है। यह व्यक्ति आम तौर पर तनाव और तीव्र भावनाओं को अच्छी तरह संभाल सकता है।

ये ज्योतिषीय संकेत हैं, चिकित्सीय निदान नहीं। अगर आप किसी मुश्किल से गुज़र रहे हैं, तो डॉक्टर या काउंसलर मदद कर सकते हैं; भारत में आप टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 पर किसी भी समय मुफ़्त कॉल कर सकते हैं।

गहराई से पढ़ें ऊपर की कुंडली से AI की मदद से लिखा गया

कुल मिलाकर आपकी भावनात्मक मज़बूती अच्छी है। अपनी राशि धनु में गुरु आपको सकारात्मक और स्थिर दृष्टि देता है, और दसवें भाव का चंद्रमा आपकी भावनाओं को उद्देश्य और काम से जोड़ता है। कभी-कभी उदासी और बोझ महसूस करने की मध्यम प्रवृत्ति है।

ये प्रवृत्तियाँ आम तौर पर तब दिखती हैं जब आप बहुत कुछ अकेले उठाती हैं या काम हावी हो जाता है। नींद, धूप और एक ऐसा व्यक्ति जिससे आप खुलकर बात कर सकें, चंद्रमा को सबसे ज़्यादा स्थिर करते हैं। अगर उदासी लंबी चले, तो जल्दी बात करने से उससे निकलना कहीं आसान होता है।

क्या मदद करता है

- नींद, धूप और चलना-फिरना किसी भी अनुष्ठान से ज़्यादा चंद्रमा को स्थिर करते हैं।
- उदासी शुरू होते ही किसी से बात करें; तब उससे निकलना आसान होता है।

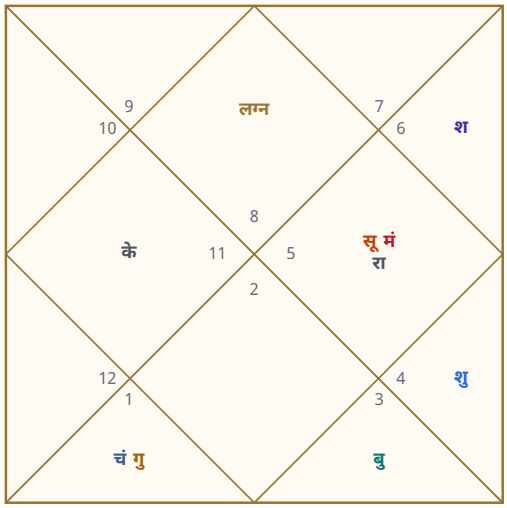
संतान के बारे में मेरी कुंडली क्या कहती है?

आपका 5वाँ भाव, सप्तांश (D7), गुरु और प्रजनन का शास्त्रीय बिंदु

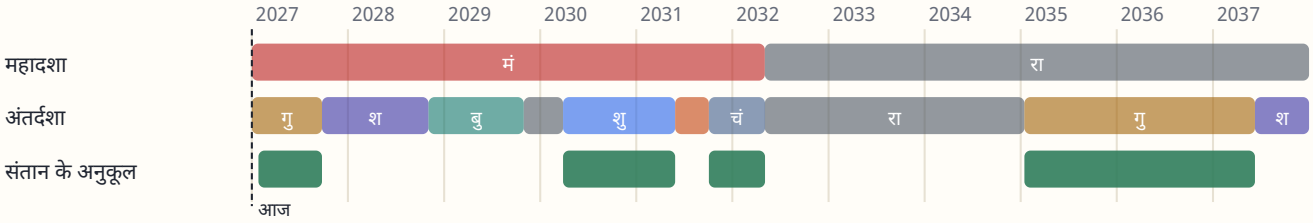
आपकी कुंडली संतान का सहयोग करती है, कुछ स्थितियाँ धैर्य या देखभाल माँगती हैं।



संतान के लिए सहयोग



सप्तांश (D7) — संतान



हरा रंग विवाह अवधि के बाद आपके 5वें भाव के स्वामी, गुरु और पुत्रकारक की दशाएँ दिखाता है: संतान के अनुकूल वर्ष।

हर पद्धति क्या कहती है

- **D1 5वाँ भाव**
  कर्क, जिसका स्वामी चंद्रमा 10वें भाव में है
- **D7 सप्तांश**
  मीन में 5वाँ भाव, उसका स्वामी गुरु 6ठे में
- **गुरु (संतान का स्वाभाविक कारक)**
  धनु में, 10वाँ भाव; D7 में 6ठा भाव
- **क्षेत्र स्फुट**
  सिंह, नवांश वृषभ
- **पुत्रकारक (जैमिनी)**
  मेष में शुक्र, 2रा भाव

संतान का सहयोग क्या करता है

- 5वें भाव का स्वामी चंद्रमा 10वें भाव में, एक सहायक भाव
- 10वें भाव में गुरु

क्या देखभाल माँगता है

- D7 कुंडली में गुरु 6ठे भाव में है

अवधि	ग्रह
जनवरी 2027 – सितंबर 2027	गुरु
मार्च 2030 – मई 2031	शुक्र
अक्टूबर 2031 – मई 2032	चंद्र
जनवरी 2035 – जून 2037	गुरु

एक पारंपरिक गिनती: 2–3

5वें भाव का स्वामी चंद्रमा धनु में 6 नवांश पार कर चुका है। यह एक शास्त्रीय गिनती है, भविष्यवाणी नहीं: आज स्वास्थ्य और आपके अपने फ़ैसले तय करते हैं।

गुरु सबके लिए संतान का स्वाभाविक कारक है। पुत्रकारक जैमिनी कारक है, आपकी कुंडली में छठे सबसे ऊँचे अंश वाला ग्रह, और अक्सर यह अलग ग्रह होता है।

गहराई से पढ़ें ऊपर की कुंडली से AI की मदद से लिखा गया

आपकी कुंडली संतान का सहयोग करती है, 100 में से 60 अंकों के साथ। पाँचवें भाव का स्वामी चंद्रमा मज़बूत दसवें भाव में है, और संतान का स्वाभाविक कारक गुरु भी वहीं है। धैर्य माँगने वाली एक स्थिति D7 कुंडली में है, जहाँ गुरु छठे भाव में पड़ता है।

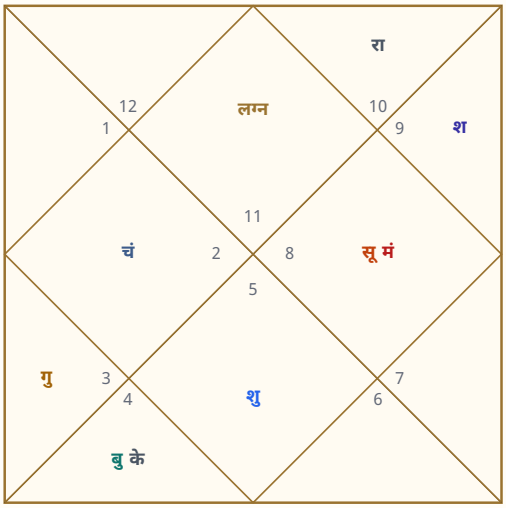
आपका क्षेत्र स्फुट, महिलाओं के लिए प्रजनन का शास्त्रीय बिंदु, कमज़ोर नहीं बल्कि मिश्रित है। संतान के अनुकूल अवधियाँ 2027 की शुरुआत, मार्च 2030 से मई 2031 और 2031 के अंत से 2032 हैं, और 2035 से गुरु की लंबी अवधि है। अगर संतान प्राथमिकता है, तो इन वर्षों के आसपास योजना बनाएँ और जल्दी डॉक्टरी सलाह लें।

क्या मदद करता है

- अगर संतान प्राथमिकता है, तो हरी अवधियों के आसपास योजना बनाएँ, और डॉक्टरी सलाह देर से नहीं, जल्दी लें।
- 5वें भाव का पारंपरिक उपाय गुरु को मज़बूत करना है: शिक्षकों का सम्मान, और गुरुवार को दान (वैकल्पिक)।

विवाह के बाद करियर और पैसा कैसे चलेगा?

आधुनिक टेक्नोलॉजी या वैश्विक बाज़ार से जुड़ा अलग तरह का करियर।



दशमांश (D10) — करियर

2रा — पारिवारिक धन		23 बिंदु
7वाँ — साझेदारी		26 बिंदु
10वाँ — करियर		39 बिंदु
11वाँ — लाभ		27 बिंदु

पैसे और काम से जुड़े भावों का अष्टकवर्ग बल (28 या अधिक मज़बूत है)।

अमात्यकारक (करियर का जैमिनी मार्गदर्शक): कुंभ में मंगल। मंगल पेशेवर जीवन को दिशा देता है। करियर में सफलता इसके कारकत्वों से आती है।

जीवनसाथी का संभावित क्षेत्र	टेक्नोलॉजी, इनोवेशन या विदेशी व्यापार
जीवनसाथी का काम	स्वरोज़गार

गहराई से पढ़ें ऊपर की कुंडली से AI की मदद से लिखा गया

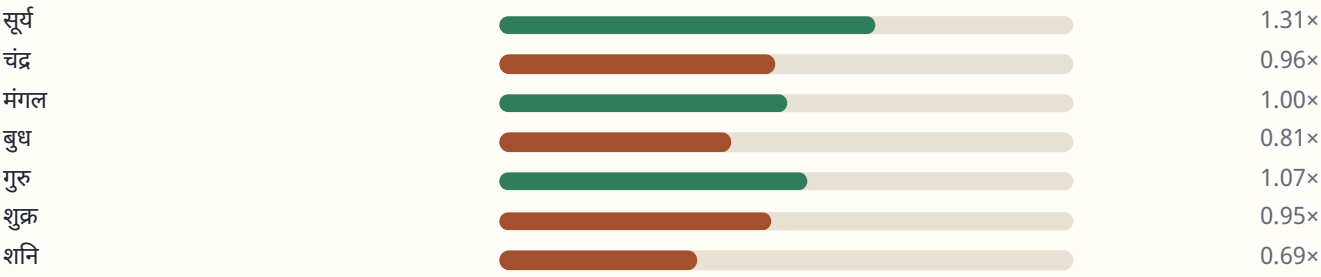
आपका दसवाँ भाव 39 अष्टकवर्ग बिंदुओं के साथ बहुत मज़बूत है, जो मज़बूती की सीमा 28 से काफ़ी ऊपर है, इसलिए करियर और प्रतिष्ठा आपकी कुंडली के सबसे बड़े सहारों में हैं। कुंभ में अमात्यकारक मंगल टेक्नोलॉजी, सिस्टम या नवाचार से जुड़े काम की ओर इशारा करता है।

परिवार के धन का दूसरा भाव 23 बिंदुओं के साथ कमज़ोर है, इसलिए बचत किस्मत से नहीं, सोची-समझी आदतों से बनेगी। आपके जीवनसाथी का संभावित क्षेत्र टेक्नोलॉजी या विदेश व्यापार है, जो ऐसे घर के लिए अच्छा है जहाँ दोनों के करियर साथ आगे बढ़ें।

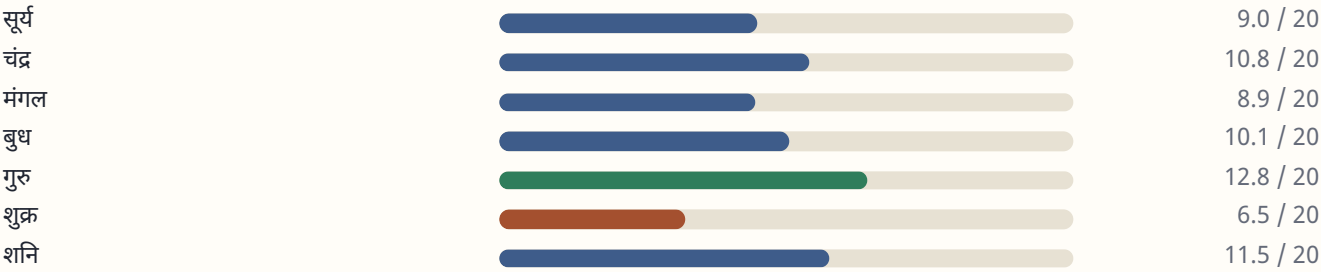
मेरे लिए कौन से ग्रह सबसे मज़बूत हैं?

षड्बल, विंशोपक और अष्टकवर्ग

सूर्य और गुरु आपके सबसे मज़बूत ग्रह हैं; शनि को सबसे ज़्यादा सहारे की ज़रूरत है।



षड्बल: हर ग्रह की ज़रूरत के मुक़ाबले उसका बल (1.00× या अधिक मज़बूत है)।



विंशोपक: वर्ग कुंडलियों में कुल बल।

	1ला	2रा	3रा	4था	5वाँ	6ठा	7वाँ	8वाँ	9वाँ	10वाँ	11वाँ	12वाँ
सूर्य	4	3	5	3	1	4	5	7	4	5	3	4
चंद्र	2	3	4	5	5	5	4	4	4	7	3	3
मंगल	4	2	4	3	2	2	4	3	5	5	2	3
बुध	4	4	4	5	5	3	3	7	5	6	5	3
गुरु	5	3	5	4	4	6	5	4	4	6	4	6
शुक्र	2	6	3	5	7	3	2	6	4	6	6	2
शनि	3	2	5	2	3	3	3	3	4	4	4	3

अष्टकवर्ग: हर ग्रह का हर भाव को सहयोग (0–8)। हरा रंग मज़बूत सहयोग है।

आपके 7वें भाव (विवाह) में 26 अष्टकवर्ग बिंदु हैं; 28 या अधिक मज़बूत है, 25 से कम देखभाल माँगता है।

गहराई से पढ़ें ऊपर की कुंडली से AI की मदद से लिखा गया

षड्बल में सूर्य और गुरु आपके सबसे मज़बूत ग्रह हैं, जो आत्मविश्वास, नैतिकता और नेतृत्व की क्षमता देते हैं। शनि और बुध को सबसे ज़्यादा सहारे की ज़रूरत है: धैर्य और सोच-समझकर बात करना आपके लिए सचेत प्रयास माँगता है।

आपके सातवें भाव में 26 अष्टकवर्ग बिंदु हैं, जो मज़बूती की सीमा 28 से थोड़ा नीचे है, इसलिए विवाह को सहयोग है पर देखभाल भी चाहिए। विंशोपक बल में भी गुरु 20 में से 12.8 के साथ सबसे आगे है, जो पुष्टि करता है कि वर्ग कुंडलियों में भी यही ग्रह आपकी रक्षा करता है।

मैं क्या कर सकती/सकता हूँ?

उपाय, परंपरा के अनुसार

> **ये पारंपरिक उपाय हैं, सबसे उपयोगी पहले। ये वैकल्पिक हैं; जो सही लगे वही चुनें, और यहाँ कुछ भी ख़रीदने की ज़रूरत नहीं है।**

कदम	क्या करें	कब
अपने 7वें भाव को मज़बूत करें	अपने 7वें भाव के स्वामी ग्रह को मज़बूत करने के उपाय करें। रोज़ बुध मंत्र का जाप करें। सलाह मिलने पर पन्ना धारण करें।	शुक्रवार या आपके 7वें भाव के स्वामी का दिन
शुक्र की ऊर्जा बढ़ाएँ	रिश्तों में बेहतर तालमेल के लिए शुक्र को मज़बूत करें। शुक्रवार को सफ़ेद वस्त्र पहनें, देवी लक्ष्मी को सफ़ेद फूल चढ़ाएँ, शुक्र मंत्र का जाप करें।	शुक्रवार (शुक्र का दिन)
सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखें	अनुकूल स्थिति बनाए रखने के लिए आध्यात्मिक अभ्यास जारी रखें। नियमित ध्यान, कृतज्ञता का अभ्यास और सकारात्मक संकल्प।	लगातार

मंत्र

मंत्र	ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
अर्थ	यह मंत्र सुखी और समय पर विवाह का आशीर्वाद माँगता है
कितनी बार	108 बार
सबसे अच्छा समय	सुबह जल्दी, स्नान के बाद
कितने समय तक	कम से कम 40 दिन, हो सके तो विवाह तक

परंपरा से इनका भी जाप होता है: ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः; ॐ बुं बुधाय नमः; ॐ नमः शिवाय (रिश्तों में समग्र सामंजस्य के लिए)।

रत्न (वैकल्पिक)

रत्न	पन्ना
धातु	सोना
उँगली	कनिष्ठिका, बायाँ हाथ
शुरू करने का दिन	बुधवार

रत्न कभी अनिवार्य नहीं है। अगर आप पहनना चाहें, तो पहले किसी से आमने-सामने अपनी कुंडली दिखाएँ, और "अभिमंत्रित" रत्नों के लिए ज़्यादा पैसे न दें।

दान

- शुक्रवार को ज़रूरतमंद कन्याओं या महिलाओं को सफ़ेद वस्त्र या वस्तुएँ
- गुरुवार को ब्राह्मणों या धार्मिक लोगों को भोजन सामग्री

रोज़ की आदतें

करें	न करें
स्वच्छता रखें और अच्छे कपड़े पहनें	कठोर बोल और बहस से बचें
बड़ों के प्रति दया और सम्मान रखें	संभावित जीवनसाथियों की ज़्यादा आलोचना न करें
अपने घर को साफ़ और व्यवस्थित रखें	मांगलिक हों तो मंगलवार और शनिवार को काला न पहनें
नियमित रूप से आध्यात्मिक अभ्यास करें	बिना ठोस कारण के विवाह में देरी न करें
नए लोगों से मिलने के लिए खुले रहें	

यह रिपोर्ट कैसे बनी

आपकी जन्म कुंडली आपकी जन्म तिथि, समय और स्थान से स्विस एफ़ेमेरिस और लाहिरी अयनांश से बनाई गई है, जो भारत में वैदिक ज्योतिष का मानक है। विश्लेषण चार शास्त्रीय पद्धतियों को जोड़ता है: पाराशरी (भाव, ग्रह और दशाएँ), अष्टकूट और पोरुथम मिलान, केपी (कृष्णमूर्ति पद्धति) और जैमिनी।

शुरुआत का व्यक्तिगत पत्र और "गहराई से पढ़ें" वाले अंश गणना की गई कुंडली से AI की मदद से लिखे गए हैं। रिपोर्ट का हर स्कोर, चार्ट, अवधि और ग्रह स्थिति स्वयं गणना से आती है।

> **कृपया पढ़ें**
>
> यह रिपोर्ट ज्योतिष है, जो चिंतन और मार्गदर्शन के लिए है। यह किसी परिणाम की गारंटी नहीं है, और यह चिकित्सा, मनोवैज्ञानिक, कानूनी या वित्तीय सलाह नहीं है। विवाह के निर्णय आपके और आपके परिवार के हैं। उपाय पारंपरिक अभ्यास हैं: वे वैकल्पिक हैं, और इस रिपोर्ट में कुछ भी ख़रीदने की ज़रूरत नहीं है।

इस रिपोर्ट के शब्द

शब्द	अर्थ
लग्न	जन्म के समय पूर्व में उदित राशि। इसी से बारह भाव तय होते हैं।
भाव	जीवन के बारह क्षेत्रों में से एक। 7वाँ भाव विवाह और साझेदारी का है।
नक्षत्र	27 नक्षत्रों में से एक। आपके चंद्र का नक्षत्र आपका स्वभाव बनाता है।
दशा	ग्रह की अवधि। घटनाएँ आम तौर पर तब होती हैं जब किसी संबंधित ग्रह की दशा चल रही हो।
नवांश (D9)	नौवीं वर्ग कुंडली, जिससे विवाह की भीतरी शक्ति देखी जाती है।
मांगलिक (कुज) दोष	कुछ भावों में मंगल। यह आम है, और अक्सर दूसरी बातों से रद्द हो जाता है।
गुण मिलान (अष्टकूट)	दोनों की चंद्र राशि और नक्षत्र का पारंपरिक 36-अंकों वाला मिलान।
केपी	कृष्णमूर्ति पद्धति, एक सटीक प्रणाली जो भावों के आरंभ बिंदु और उनके उप-स्वामी देखती है।
दाराकारक	जैमिनी ज्योतिष में जीवनसाथी को दर्शाने वाला ग्रह।
उपपद लग्न	जैमिनी का एक बिंदु, जिससे विवाह का स्वभाव और जीवनसाथी का परिवार देखा जाता है।

केवल आपके लिए — कृपया यह अध्याय आगे न भेजें

अंतरंगता

केवल आपके लिए

यह अध्याय केवल आपके लिए है। इसमें अंतरंगता की बात है। ये ज्योतिषीय प्रवृत्तियाँ हैं, आपके या किसी और के बारे में तथ्य नहीं, और न ही कोई निदान। अगर यहाँ की कोई बात आपको परेशान करे, तो किसी भरोसेमंद व्यक्ति या योग्य विशेषज्ञ से बात करें।



प्रवृत्ति	स्तर	इसका अर्थ
कम इच्छा की प्रवृत्ति	कम	अंतरंगता में अपनी चाहत से कम रुचि, अक्सर तनाव या अनसुना महसूस करने से जुड़ी।
अंतरंगता में असहजता या दर्द	कम	अंतरंगता के दौरान दर्द या कसाव, जो आम है और जिसका इलाज है।

ये ज्योतिषीय प्रवृत्तियाँ हैं, निदान नहीं। दोनों आम हैं और इनका इलाज है: सही पहला कदम डॉक्टर है, अनुष्ठान नहीं, और साथी से खुलकर बात करना सबसे ज़्यादा मदद करता है।

योनि (पारंपरिक स्वभाव)	वानर — आकर्षक और मनाने में कुशल
इच्छा	आपकी ऊर्जा सूक्ष्म और परिष्कृत है। आवृत्ति से ज़्यादा गुणवत्ता और भावनात्मक जुड़ाव मायने रखते हैं।
सहनशक्ति	मध्यम
तत्व	अग्नि और आत्मा
रोमांटिक अंदाज़	जोशीला और सहज
शुक्र	मेष में शुक्र आपके रोमांटिक अंदाज़ को प्रभावित करता है

मंगल	12वें भाव में मंगल आध्यात्मिक आयाम जोड़ता है
सबसे अच्छा मेल (योनि)	वानर, अश्व, मेष (बकरा)

- शनि-मंगल युति शारीरिक अभिव्यक्ति में देरी या संकोच ला सकती है

गहराई से पढ़ें ऊपर की कुंडली से AI की मदद से लिखा गया

मेष में शुक्र के कारण आपकी कुंडली एक उत्साही और सहज रोमांटिक स्वभाव का वर्णन करती है, साथ ही बारहवें भाव के मंगल से एक कोमल, निजी पक्ष भी। इच्छा तीव्र नहीं बल्कि शांत बताई गई है, और नज़दीकी भरोसे के साथ बढ़ती है।

महिलाओं के लिए कुंडली जिन दो प्रवृत्तियों को देखती है, कम इच्छा और अंतरंगता में असहजता, दोनों कम हैं। आपकी सबसे बड़ी भावनात्मक ज़रूरत स्वतंत्रता है, इसलिए अंतरंगता तब सबसे अच्छी होती है जब वह अपेक्षा नहीं, चुनाव लगे, और खुलकर बात करना किसी भी कुंडली पाठ से ज़्यादा मायने रखता है।

क्या मदद करता है

- भावनात्मक नज़दीकी और गुणवत्ता पर ध्यान दें
- ऐसा माहौल बनाएँ जिसमें आप सहज होकर जुड़ सकें